MGP

गाँधी और शांति अध्ययन
में
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य
वर्ष 2019–2020 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि
(एमएजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकात्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्यके पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में गाँधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि (एमएजीपीएस); गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस) और गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस) के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी आरै शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा ह और यह आपका कायक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के याग्य बनाते हैं जिनमं आपका पंजोकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूवर्क पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों मं लिखें। आपके उत्तर भाग–विशष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर हानेे चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फाटाप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन कन्द्र आपको इन्हें वापस कर दगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन कन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्याकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँ:

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2019 सत्र के लिए	31 मार्च 2020	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें
जनवरी 2020 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2020	

भुभकामनाओं के साथ,

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध हागी :

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान स अध्ययन कीजिए। प्रत्यक प्रश्न के बारे में महत्त्वपर्ण तथ्य नाट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें :

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर :

   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) प्रस्तुतिकरणः जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर जोर दना चाहते हों, उन्हें रखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका काल (एम.जी.पी.–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. भारत की आजादी में गाँधी के राष्ट्रवाद और अंतर्राष्ट्रीयवादी विचारों ने कैसे योगदान दिया, व्याख्या कीजिए।

2. गाँधी की जिंदगी के उन निर्णायक क्षणों और घटनाओं का वर्णन कीजिए जिसने उनके चरित्र का निर्माण किया।

3. निम्नलिखित विषयों की मूल विशेषताएं एवं गाँधी के लिए इनके महत्त्व का उल्लेख कीजिए :

   (क) रामायण का प्रभाव

   (ख) रायचंद भाई का प्रभाव

4. गाँधी के आगमन के दौरान दक्षिण अफ्रीका में रह रहे भारतीयों की स्थितियों की चर्चा कीजिए।

5. सांप्रदायिक अधिनियम (Communal Award) और पूना संधि के सार को संक्षेप में समझायें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) खेड़ा सत्याग्रह (1918)

   (ख) चम्पारण सत्याग्रह (1917–18)

7. (क) अहिंसक संघर्ष का महत्व

   (ख) असहयोग आंदोलन की उपलब्धियां

8. (क) गाँधी के रचनात्मक कार्यक्रम

   (ख) गाँधी का बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय (1916) में अभिभाषण

9. (क) गाँधी और भारत छोड़ो आंदोलन

   (ख) मुस्लिम लीग और पाकिस्तान की माँग

10. (क) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भगत सिंह का योगदान

    (ख) विनायक दामोदर सावरकर की 'एसेंशियल ऑफ हिन्दुइज़्म'

पाठ्यक्रमः गाँधी दर्शन (एम.जी.पी.–002)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–002
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–002/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधी के अहिंसा के सिद्धांत पर भारतीय धर्म के प्रभाव पर प्रकाश डालं।
2. गाँधी के आर्थिक और राजनीतिक दर्शन पर पश्चिमी विचारकों के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।
3. गाँधी की जिंदगी में सच का अर्थ और महत्व को समझाएं।
4. गाँधी के अनासक्ति योग का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
5. जॉन रस्किन (1819–1900) के आर्थिक विचारों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) सत्याग्रह और अहिंसा
   (ख) हिन्दू धर्म पर गाँधी के विचार
7. (क) भक्ति आंदोलन
   (ख) अस्पृश्यता पर गाँधी के विचार
8. (क) आधुनिक सभ्यता पर गाँधी के विचार
   (ख) ग्रामीण अर्थव्यवस्था
9. (क) गाँधी के सर्वोदय पर विचार
   (ख) स्वराज के आर्थिक आधार
10. (क) गाँधी के कत्तव्य का सिद्धांत और अधिकार के साथ इसका संबंध
    (ख) गाँधी के स्वराज का सिद्धांत

पाठ्यक्रमः गाँधी के सामाजिक विचार (एम.जी.पी.–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–003
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. वैष्णव धर्म पर गाँधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।
2. भारतीय सामाजिक व्यवस्था के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।
3. हिन्दू–मुस्लिम एकता पर गाँधी के दृष्टिकोण की समीक्षा कीजिए।
4. ब्रिटिश–भारत में सांप्रदायिक दंगे पर गाँधी के विश्लेषण की समालोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
5. आधुनिकता पर गाँधीवादी आलोचना का परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) सांप्रदायिकता और अल्पसंख्यकों का अधिकार
   (ख) गाँधी के धार्मिक विचार
7. (क) अस्पृश्यता
   (ख) 'ग्राम स्वराज' की गाँधीवादी अवधारणा
8. (क) सत्य के सिद्धांत में गाँधीवादी विचार
   (ख) पर्यावरण पर गाँधी के विचार
9. (क) श्रम पर गाँधी के विचार
   (ख) स्वास्थ्य पर गाँधी के विचार
10. (क) महिलाओं पर गाँधी के विचार
    (ख) समानता पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–004
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधीवादी शांतिवाद के प्रमुख तत्वों का उल्लेख कीजिए।
2. ग्राम स्वराज के गाँधी के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
3. औद्योगिकीकरण पर गाँधी की आलोचना की व्याख्या कीजिए।
4. गाँधी द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मूल्यांकन की समीक्षा कीजिए।
5. साध्य और साधन की महत्ता पर गाँधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) राष्ट्रवाद पर गाँधी के सिद्धांत
   (ख) उदारवाद और संविधानवाद का सिद्धांत

7. (क) उपनिवेशवाद के विरुद्ध गाँधी के अहिंसात्मक संघर्ष
   (ख) राज्य और नागरिकता पर गाँधी के विचार

8. (क) समाजवाद और साम्यवाद का अर्थ
   (ख) रचनात्मक कार्यक्रम का महत्त्व

9. (क) संरचनात्मक हिंसा पर गाँधी के विचार
   (ख) फासीवाद पर गाँधी के विचार

10. (क) गाँधीवादी न्यास के मुख्य तत्व
    (ख) अधिकार और कर्त्तव्य पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम.जी.पी.–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–005
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. शांति की विभिन्न अवधारणाओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए तथा 'शांति, कल्याण औन न्याय के लिए अत्यावश्यक है', सोदाहरण समझाएँ।
2. संघर्ष समाधान के विभिन्न बलात्मक पद्धतियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
3. भारत के संविधान में वर्णित न्याय के सिद्धांत की विवेचना कीजिए।
4. शांति और लोकतंत्र के बीच क्या संबंध हैं? वे किस प्रकार एक–दूसरे के पूरक हैं?
5. संघर्ष को परिभाषित कीजिए और संघर्ष के सामान्य स्त्रोतों का परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) समकालीन संघर्षों के वैश्विक स्त्रोत
   (ख) संघर्ष समाधान के तरीके।
7. (क) शांति शिक्षा पर गाँधीवादी विचार को विस्तार से बतायें।
   (ख) द्वंद्व समाधान के लिए सत्याग्रह एक साधन के रूप में, इसका आलोचनात्मक विवरण दीजिए।
8. (क) शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था के लिए अहिंसा का महत्व
   (ख) भारत में न्याय के साधन
9. (क) समानता और असमानता पर उदारवादी और मार्क्सवादी विचार
   (ख) मानव विकास और गरीबी–उन्मूलन
10. (क) संघर्ष समाधान को बलात्मक पद्धतियाँ
    (ख) वैकल्पिक द्वंद्व समाधान की अवधारणा और अर्थ

पाठ्यक्रमः गाँधी आर्थिक विचार (एम.जी.पी.ई.–006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–006
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–006/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधी की 'स्वदेशी' की अवधारणा, क्या यह गीता में वर्णित 'स्वधर्म' के समान है? व्याख्या कीजिए।
2. आधुनिक अर्थव्यवस्था के विरुद्ध गाँधी द्वारा उठाये गये मुख्य आलोचनाओं का परीक्षण कीजिए।
3. श्रम के घटक क्या हैं? शारीरिक और बौद्धिक श्रम से आप क्या समझते हैं? वर्णन कीजिए।
4. जे.के. मेहता के दार्शनिक अर्थव्यवस्था संबंधी दृष्टिकोण की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।
5. औद्योगीकरण का गाँधीवादी प्रारूप का वर्णन कीजिए एवं समकालीन भूमंडलीकृत विश्व में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह आंदोलन
   (ख) वर्तमान दुनिया में गाँधी के स्वदेशी सिद्धांत की प्रासंगिकता
7. (क) गाँधी द्वारा प्रस्तावित न्यासिता का सिद्धांत
   (ख) गाँधी द्वारा प्रतिपादित 'आवश्यकताओं की सीमा' का सिद्धांत
8. (क) गाँधी का आत्मनिर्भरता का सिद्धांत
   (ख) ग्राम विकास पर गाँधी के सिद्धांत
9. (क) अहिंसक आर्थिक व्यवस्था के आधार
   (ख) कुटीर उद्योग का महत्व
10. (क) विकास संबंधी गाँधीवादी विचार
    (ख) सत्तत अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधीवादी उपरांत राजनीतक संरचना और इसकी कार्यप्रणाली की व्याख्या कीजिए।
2. राष्ट्रवादी आंदोलन के दौरान व्यक्तिगत आंदोलन की व्याख्या कीजिए।
3. वर्तमान समय में मानव जाति को प्रभावित करने वाले पारिस्थितिक मुद्दों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
4. मद्य–निषेध नीति और भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधित प्रमुख समस्याओं की व्याख्या कीजिए।
5. गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन के परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) संपूर्ण क्रांति
   (ख) भूदान आंदोलन
7. (क) महिलाओं और नागरिक अधिकार आंदोलन
   (ख) संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन
8. (क) चिपको आंदोलन
   (ख) जल–संरक्षण आयोग
9. (क) अहिंसात्मक आंदोलन के प्रकार
   (ख) पर्यावरण–नारीवाद आंदोलन
10. (क) पोलैंड में अहिंसात्मक सॉलिडेरिटी आंदोलन
    (ख) दक्षिण–अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आंदोलन

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–008
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. सामुदायिक शांति के सिद्धांत के आधार का परीक्षण कीजिए।
2. असहिष्णुता से निपटने के लिए गाँधी द्वारा प्रपादित भिन्न समाधानों का विश्लेषण कीजिए।
3. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :
   (क) सामुदायिक शांति पर गाँधी के दृष्टिकोण
   (ख) सहनशीलता और सामंजस्य की समझ
4. विश्व संघ और देशों के बीच शांति पर गाँधी की योजना का संक्षिप्त परीक्षण कीजिए।
5. मानव में अंतर्निहित संघर्ष के संबंध में कुछ प्रमुख सिद्धांतों के प्रतिपादन की परिचर्चा कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) समझौता और मध्यस्थता के उपागम
   (ख) शांति सेना
7. (क) कानूनी लड़ाई पर गाँधी के विचार
   (ख) औद्योगिक संघर्ष पर गाँधी के विचार
8. (क) चिपको आंदोलन
   (ख) पेट्रा कैली और जर्मन ग्रीन पार्टी
9. (क) संघर्ष समाधान में संवाद और समझौता की महत्ता
   (ख) संघर्ष समाधान के लिए उपवास
10. (क) निर्भयता और साहस के विचार
    (ख) असम में विद्रोह

पाठ्यक्रमः इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम.जी.पी.ई.–009)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–009
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का ळें

खण्ड–I

1. वैश्वीकरण को अवधारणा और अर्थ को समझायें तथा आर्थिक वैश्वीकरण के मूल उद्भव का अनुरेखण कीजिए।
2. विश्व व्यवस्था निर्माण और संचालन हेतु गाँधी के विचारों का वर्णन कीजिए।
3. नारी सशक्तिकरण के प्रति गाँधी के योगदान की विवेचना कीजिए।
4. आतंकवाद को परिभाषित कीजिए, आतंकवाद प्रसार के नियंत्रण के लिए गाँधी के विचार पर प्रकाश डालें।
5. वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं, भारतीय समाज पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है? विस्तार से बताएँ।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) सर्वोदय पर आधारित विश्व व्यवस्था पर गाँधीवादी विचार
   (ख) विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर गाँधीवादी दृष्टिकोण
7. (क) मार्क्सवादी और सामाजिक लोकतंत्र में अंतर
   (ख) ग्राम स्वराज और वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता
8. (क) धर्म और राजनीति
   (ख) भारत और सांस्कृतिक विविधता
9. (क) आधुनिक मशीन पर गाँधी के विचार
   (ख) सामाजिक समावेश की गाँधीवादी विधि
10. (क) मानवाधिकार पर गाँधी
    (ख) समकालीन महिलाओं के आंदोलन के लिए गाँधीवादी विरासत

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबन्धन, परिवर्तन और शांति निर्माण (एम.जी.पी.ई.–010)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–010
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. वर्तमान समय में संघर्ष की प्रकृति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
2. द्वंद्व पीड़ित समाज को मजबूत बनाने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका का परीक्षण कीजिए।
3. निम्नलिखित का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए :
   (क) संघर्ष आंकलन की चुनौतियाँ
   (ख) संघर्ष विश्लेषण की पद्धतियाँ।
4. पंजाब में आतंकवाद के मुख्य कारकों की व्याख्या कीजिए।
5. संघर्ष के विभिन्न स्रोतों की व्याख्या कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) गॉलतुंग द्वारा प्रतिपादित संरचनात्मक हिंसा
   (ख) संघर्ष आंकलन की बाध्यतायें
7. (क) शांति द्वारा गॉलतुंग का संघर्ष परिवर्त्तण
   (ख) नागालैंड में हिंसा की समस्या
8. (क) संघर्ष परिवर्त्तण पर परिप्रेक्ष्य
   (ख) स्वराज पर गाँधी के विचार
9. (क) दक्षिण अफ्रीका में गाँधी के नेतृत्व में सत्याग्रह अभियान
   (ख) संघर्ष परिवर्त्तण का गैर–पश्चिमी उपागम
10. (क) संघर्ष–उपरांत पुनर्निर्माण और पुनर्वास
    (ख) शांति निर्माण में नागरिक समाज का दृष्टिकोण

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम.जी.पी.ई.–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–011
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. मानव समाज के विकास और समाज के वंचित वर्ग के कल्याण में इसकी महत्ता की व्याख्या कीजिए।

2. भारत में राज्य–हिंसा को समझायें।

3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में समझायें :

   (क) लिंग, विकास और मानव सुरक्षा।

   (ख) मानव सुरक्षा के गाँधीवादी दृष्टिकोण

4. मानव सुरक्षा और शांति निर्माण पर एक निबंध लिखें।

5. संरचनात्मक हिंसा पर गॉलतुंग के विचारों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. खाद्य सुरक्षा, गरीबी और भूख के पहलुओं पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

7. भारत के लिए पर्यावरण संबंधित मामलों के महत्व को संक्षेप में समझायें।

8. निम्नलिखित को अपने शब्दों में समझाएँ :

   (क) दक्षिण अफ्रीका में राज्य हिंसा का परीक्षण

   (ख) आतंकवाद क लक्षण

9. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए गाँधीवादी विचारों की व्यावहारिकता का वर्णन कीजिए।

10. आपदा और विकास पर एक निबंध लिखें।

पाठ्यक्रमः महिलाएँ और शांति (एम.जी.पी.ई.–012)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–012
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–012/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के मुख्य कारणों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
2. समकालीन महिलाओं के आंदोलन के लिए गाँधीवादी विरासत की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।
3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में समझायें :

   (क) महिलाओं पर वैश्वीकरण का असर

   (ख) शांति निर्माण में महिलाओं की भूमिका
4. 'प्रतिष्ठा के लिए हत्या' की समस्या को उचित उदाहरण के साथ वर्णन कीजिए।
5. बौद्ध धर्म और जैन धर्म में महिलाओं के स्थान और भूमिका की व्याख्या कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) बलात्कार कानून में सुधारों पर बहस

   (ख) महिलाओं के साथ हिंसा को रोकने के लिए गाँधी के विचार की प्रासंगिकता।
7. (क) बाल श्रम के खिलाफ अभियान।

   (ख) केन्या में ग्रीन बेल्ट आन्दोलन
8. (क) कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ अभियान की विशेषताएं

   (ख) वैश्विक शांति आंदोलन
9. (क) पर्यावरण के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान

   (ख) संघर्ष समाधान में महिलाओं के योगदान को बढ़ाने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका।
10. (क) शांति को बढ़ाने में भारत द्वारा लिए गए विभिन्न पहलुओं की व्याख्या कीजिए।

    (ख) समाज में व्याप्त लिंग–संबंधी और संरचनात्मक हिंसा का अर्थ

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनीति शासन और संघर्ष (एम.जी.पी.ई.–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–013
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. नागरिक समाज के प्रारंभिक आधुनिकता की धारणा की व्याख्या कीजिए।
2. दक्षिण अफ्रीका में नागरिक समाज की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।
3. वैश्विक बाजार में नागरिक समाज का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
4. नागरिक समाज के तत्वों का परीक्षण कीजिए।
5. भारत में शांति आंदोलन के सिद्धांत, विकास और प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) उन्नत पंजीकृत राज्य पर बहस
   (ख) राज्य और नागरिक समाज के बीच संबंध।
7. (क) रचनात्मक कार्यक्रम की गाँधीवादो अवधारणा
   (ख) नागरिक समाज की प्रकृति और सीमा
8. (क) मानवाधिकार का उद्भव और विकास
   (ख) गरीबी और भूख उन्मूलन की ओर ग्रामीण बैंक के प्रयास
9. (क) पंचायत राज संस्थानों के अध्ययन के उपागम
   (ख) शांति प्रक्रिया में गैर–सरकारी संस्थान (NGO) की भूमिका
10. (क) क्षमता निर्माण और महिला सशक्तिकरण पर गाँधी के विचार।
    (ख) वैश्विक शांति आंदोलन।

पाठ्यक्रमः गाँधी : पारिस्थिकी और सतत् विकास (एम.जी.पी.ई.–014)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–014
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. पारिस्थितिकी और विकास पर बदलते परिप्रेक्ष्य का परीक्षण कीजिए।
2. गाँधी द्वारा आश्रम जीवन की वकालत के महत्त्व पर प्रकाश डालें।
3. गाँधीवादी विकास के आध्यात्मिक बुनियाद की विवेचना कीजिए।
4. भारत और दक्षिण अफ्रीका में गाँधी के आश्रम में सामुदायिक जीवन का परीक्षण कीजिए।
5. गहन पारिस्थितिकी का क्या मतलब है? इसके अर्थ और महत्व को समझायें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) भारत में पर्यावरण और संरक्षण पर गाँधी के विचार
   (ख) विकास की ओर गाँधी के दृष्टिकोण
7. (क) सामुदायिक जीवन पर गाँधी के विचार
   (ख) मानवता के गाँधीवादी सिद्धांत
8. (क) भारत में पर्यावरण शिक्षा
   (ख) ग्राम स्वराज पर गाँधी के विचार
9. (क) लघु और साधारण सुंदर है।
   (ख) रालेगन सिद्धि और मानव विकास
10. (क) मानव पारिस्थितिकी को अवधारणा
    (ख) राजस्थान की शुष्क भूमि में जल संचयन

पाठ्यक्रमः अनुसंधान विधियों का परिचय (एम.जी.पी.ई.–015)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–015
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–015/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रकृति की व्याख्या कीजिए।
2. परिकलपना (Hypothesis) क्या होता है? सोदाहरण समझाएँ।
3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में वर्णित करें :

    (क) सामाजिक समस्याओं का गाँधीवादी दृष्टिकोण

    (ख) वेबर की व्यक्तिवादी अनुसंधान पद्धति
4. मौलिक और अनुप्रयुक्त अनुसंधान में अंतर स्पष्ट कीजिए।
5. साहित्यिक समीक्षा की मुख्य विशेषताओं का परीक्षण कीजिए और शोध समस्या (अनुसंधान समस्या) को निर्दिष्ट करने में यह कैसे सहायता करता है, उसकी व्याख्या कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) आँकड़ा संकलन की विधि

    (ख) नृजाति अध्ययन की विशेषताएँ
7. (क) वर्णनात्मक विश्लेषण के कोडिंग और विधि को परिभाषित कीजिए।

    (ख) मानचित्रण के मूल तत्व
8. (क) शोध ढांचा में सिद्धांत

    (ख) परिकल्पनाओं के परीक्षण की महत्ता
9. (क) वर्णनात्मक विश्लेषण का अर्थ और विशेषताएं।

    (ख) अनुसंधान परिणाम को व्यवस्थित करने की विधि
10. (क) शोध प्रस्तुति में 'टेबल' निर्माण को शैली

    (ख) मानकीय और अनुभवजन्य प्रतिमानों के बीच अंतर

पाठ्यक्रमः गाँधी : मानव अधिकार : भारतीय परिप्रेक्ष्य (एम.जी.पी.ई –016)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–016
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–016/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. भारत में हिन्दू–बौद्ध के मानव परंपरा अधिकार की व्याख्या कीजिए।
2. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान विकसित मानवाधिकार सिद्धांत के लिए प्रेरणा के प्रमुख स्रोतों पर चर्चा कीजिए।
3. अपने शब्दों में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

   (क) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों का महत्त्व

   (ख) उत्तर–आधुनिक नारीवाद
4. मानवाधिकार को सुनिश्चित करने में राज्य मानवाधिकार आयोग के योगदान की व्याख्या कीजिए।
5. बचपन की अवधारणा को समझायें और भारत में बाल अधिकारों का अवलोकन प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) मानवाधिकार के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के योगदान की महत्ता बतायें।

   (ख) विश्व में मानवाधिकारों के महत्त्वपूर्ण उल्लंघन
7. (क) मूल निवासी के अधिकार

   (ख) मानव अधिकारों के अंतर्राष्ट्रीय विधेयक
8. (क) भारत में किशोर (Juvenile) न्याय की स्थिति

   (ख) भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकार
9. (क) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग की भूमिका

   (ख) बाल सैनिक की समस्या
10. (क) मानवाधिकार पर गाँधी के विचार

    (ख) राष्ट्रीय महिला आयोग